Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding setting up of National Commission for Youth.

SHRI CHIRAG PASWAN (JAMUI): Thank you so much, Madam Speaker, for giving me this opportunity. … (*Interruptions*) आज इस सदन में मैं देश से जुड़ी समस्याओं का जिक्र करना चाहूंगा। भारत एक पुरानी सभ्यता लेकिन युवाओं का देश है। देश के युवाओं ने अपने कंधे पर सदियों से सामाजिक बदलाव में एक अग्रणी भूमिका निभाई है। जब चुनौतियों ने देश को ललकारा है, हर बार देश के युवाओं ने उन चुनौतियों को पछाड़ हमारी सभ्यता, सामाजिक ताने बाने को एक नया जीवन दिया है।

माननीय अध्यक्ष जी, आपको याद होगा कि वर्ष 2014 में माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी युवाओं से सीधी अपील की थी और उस अपील की सत्यता का देश के युवाओं ने उचित सम्मान भी किया था। यकीनन फिलहाल के तीन व-ख़ों में युवाओं के लिए अवसरों के कई दरवाजे भी खुले, लेकिन हकीकत यह है कि आजादी के बाद से देश में कारगर कोई युवा नीति कभी नहीं रही। नतीजा यह है कि पिछले 70 सालों में युवाओं ने राष्ट्र निर्माण में तो खूब योगदान दिया लेकिन वे हाल के दशकों में व्यक्तिगत चुनौतियों से भी घिर गए। तमाम कार्यक्रम और योजनाएं आधुनिक दौर की चुनौतियों के लिए नाकाफी साबित रहीं। ...(व्यवधान) अपने घरवालों को छोड़कर जब देश का युवा अपनी जिंदगी संवारने के लिए बाहर निकलता है, तो उसे कई किस्म की रुकावटों का सामना करना पड़ता है। ...(व्यवधान) देश में एक ऐसी संस्था की जरूरत है, जो अभिभावकों की गैर मौजूदगी में अभिभावक की भूमिका निभाये। ...(व्यवधान) जहां वह अपने प्रश्नों के साथ जाये और समाधान लेकर वापस आये। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं इसी उद्देश्य से सरकार के सामने देश में एक राष्ट्रीय युवा आयोग के गठन की मांग करता हूं और सदन के दोनों पक्षों से इस मांग के समर्थन की गुजारिश करता हूं। ...(व्यवधान) हमने अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग, अल्पसंख्यक आयोग, महिला आयोग और बाल आयोग बनाया और तारीख गवाह है कि इस तरीके के हर आयोग ने एक रचनात्मक भूमिका निभायी है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं चाहता हूं कि इसी तर्ज पर देश में एक युवा आयोग बने, जो नोडल अथारिटी के तौर पर युवाओं के लिए काम करे। ...(व्यवधान) आज जब हम देश के युवाओं से जुड़ी हुई समस्या का जिक्र करते हैं तो हमारी सोच कहीं न कहीं शिक्षा और रोजगार पर आकर रुक जाती है। ...(व्यवधान) जबकि हकीकत यह है कि हमारे बहुत से युवा साथी ऐसे हैं, जो शिक्षा और रोजगार से हटकर अन्य क्षेत्रों में अपनी रूचि रखते हैं। ...(व्यवधान) कोई कला के क्षेत्र में सिंगर, डांसर या एक्टर बनना चाहता है ...(व्यवधान) कोई फोटोग्राफी में जाना चाहता है। ...(व्यवधान) कई युवा ऐसे हैं, जो खेल-कूद में अपनी दिलचस्पी रखते हैं, लेकिन उन्हें वे ऑपर्चुनिटी नहीं मिलती। ...(व्यवधान) इतिहास गवाह रहा है कि जब-जब हमारे युवा खिलाड़ियों को उचित इफ्रास्ट्रक्चर मिला है, सुख-सुविधाएं मिली हैं, तो उन्होंने न सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हमारे देश का नाम ऊंचा किया है। ...(व्यवधान) इसका एक उदाहरण खुद मेरी जमुई लोक सभा क्षेत्र से आता है। जमुई जिले की रहने वाली श्रेयसी सिंह

को उचित अवसर मिला, तो उसने कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग में पदक हासिल करके न सिर्फ मेरे प्रदेश बिहार को गौरवान्वित किया, बल्कि हमारे देश का नाम भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा किया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, जब हम युवाओं की समस्या की बात करते हैं, तो लड़कों के बजाय लड़कियों की सुनवाई और ज्यादा मुश्किल हो जाती है। ...(व्यवधान) मैं इस सदन में इससे पहले दो बार विभिन्न चर्चाओं के दौरान राष्ट्रीय युवा आयोग के गठन की मांग कर चुका हूं। मैं प्रधान मंत्री और आदरणीय वित्त मंत्री जी से भी लिखित रूप में युवा आयोग के गठन की मांग कर चुका हूं।

अध्यक्ष महोदया, मैंने आपके समक्ष भी नियम 193 के अंतर्गत नोटिस दिया हुआ है, ताकि इसके ऊपर हम एक गंभीर चर्चा करके सकारात्मक परिणाम पर पहुंच सकें। ...(व्यवधान)

मुझे अंत में यकीन है कि असंख्य युवाओं की जरूरत को इस सदन की सराहना मिलेगी और युवाओं की बेहतरी के लिए पहले से सजग आदरणीय प्रधान मंत्री जी का भी अनुमोदन मेरे इस प्रस्ताव को जरूर मिलेगा। ...(व्यवधान)

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। आपने मुझे इस मुद्दे को उठाने के लिए समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : इसमें सब युवा सहयोगी बनें।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : श्री ओम बिरला, डॉ. किरिट पी. सोलंकी, श्री शिवकुमार उदासि, श्री उदय प्रताप सिंह, श्री नारणभाई काछड़िया, श्री निशिकांत दुबे, मोहम्मद फैजल, श्री लखन लाल साहू, श्री हरिओम सिंह राठौड़, श्री सुमेधानन्द सरस्वती, श्री जगदम्बिका पाल, श्री राम मोहन नायडू किंजरापु, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री रवीन्द्र कुमार जेना, श्री गणेश सिंह, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री राहुल कस्वां, डॉ. मनोज राजोरिया और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री चिराग पासवान द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।